हिन्दी दिवस

के शुभ अवसर पर

एक शानदार CLASS

HINDI

LIVE 06:00 PM

हिन्दी दिवस

“हिन्दुस्तान की है शान हिन्दी,
हर हिन्दुस्तानी की है पहचान हिन्दी,
एकता की अनुपम परंपरा है हिन्दी,
हल दिल का अरमान है हिन्दी”

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं।

हिन्दी दिवस - 14 सितम्बर

14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को राजभाषा (Official Language) के रूप में स्वीकार किया गया था।

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा की सिफारिश पर 1953 से पूरे देश में हिन्दी दिवस का आयोजन होता है।

उपयोग की दृष्टि से भाषा की दो महत्वपूर्ण अवधारणाएँ है-

राष्ट्रभाषा और राजभाषा

राष्ट्रभाषा – 'समस्त राष्ट्र में प्रयुक्त भाषा' अर्थात् आम जन की भाषा(जनभाषा)। जो समस्त राष्ट्र में जन-जन के विचार

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था, वह चाहते थे कि हिन्दी राष्ट्रभाषा बने, उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए कहा था, हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाये जाने के विचार से बहुत से लोग खुश नहीं थे, खासतौर पर दक्षिण

राजभाषा

राजभाषा – राजभाषा का शाब्दिक अर्थ है- राज-काज की भाषा जो भाषा देश के राजकीय कार्यों के लिए प्रयुक्त होती है वह राजभाषा कहलाती है। हिन्दी भारत की राजभाषा है।

भाग – 17 (राजभाषा)
अनुच्छेद – 343 से 351 तक

अनुच्छेद 343- संघ की राजभाषा

संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।

अनुच्छेद 351- हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाएँ-

2011 की जनगणना के अनुसार हिन्दी भारत में बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है, यह लगभग 52.83 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है, जो भारत की जनसंख्या का 43.63% है।

2011 की जनगणना के अनुसार मराठी भारत में बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है, यह लगभग 8.30 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है, जो भारत की जनसंख्या का 6.86% है।

2011 की जनगणना के अनुसार तेलगू भारत में बोली जाने

विश्व में हिन्दी की स्थिति-

अंग्रेजी- 1456(मिलियन)

मंडारिन(चाइनीज) – 1138(मिलियन)

हिन्दी – 609.5(मिलियन)

हिन्दी भारत के अलावा मॉरिशस, यमन, युगांडा, कनाडा

फिजी, श्रीलंका, मालदीव, सिंगापुर, इंडोनेशिया, थाईलैंड

चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका

भारत एक भाषाई विविधता वाला देश है-

भारत में हजारों भाषाएँ बोली जाती है, लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार केवल 121 भाषाओं को प्रमुख माना गया है।

भारत में चार प्रमुख भाषा परिवार समूह है-

भारोपीय

द्रविड़

भाषा के रूप में हिन्दी का विकास

–

भाषा का विकास एक सतत और लम्बी प्रकिया है-

बोली-

उपभाषा -

भाषा-

हिन्दी का विकास क्रम –

संस्कृत से लेकर पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, प्राचीन या प्रराम्भिक हिन्दी के रूप में विकास

हिन्दी का विकास तीन चरणों में हुआ -

पहला चरण – प्राचीन हिन्दी (1100 ई. – 1350 ई.)

दूसरा चरण – मध्यकालीन हिन्दी (1350 ई. – 1850 ई.)

तीसरा चरण – आधुनिक हिन्दी (1850

"हिन्दी दिवस पर्व है,
इस पर हमें गर्व है,
सम्मानित हो हमारी राष्ट्रभाषा
हम सबकी है यही अभिलाषा"

Thank You!